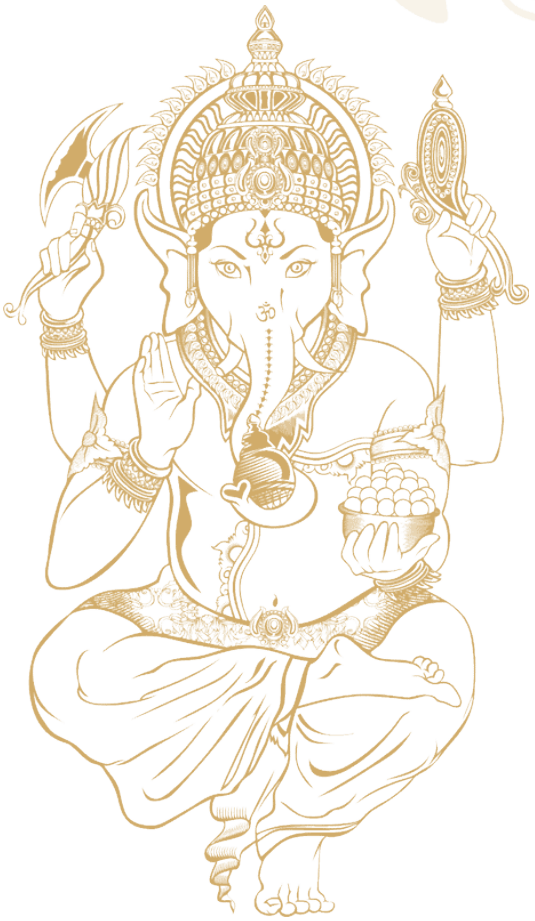

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121583502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/03/1995	जन्म तिथि	21/09/1997
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	10:40:00 घंटे
घटी 50:36:18	जन्म समय(घटी)	11:02:52 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Tonk
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:10:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:28	सूर्योदय	06:14:47
18:33:54	सूर्यास्त	18:24:19
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 14वर्ष 2मा 10दि	19:51:32	धनु	लग्न	वृश्चि	02:05:04	सूर्य 2वर्ष 1मा 7दि
बुध	28:02:40	कुंभ	सूर्य	कन्या	04:25:59	राहु
22/05/2009	06:42:19	कर्क	चंद्र	वृष	05:19:27	29/10/2016
23/05/2026	20:15:21	कर्क व	मंगल	वृश्चि	00:50:18	29/10/2034
बुध 19/10/2011	03:23:54	कुंभ	बुध	सिंह	17:36:43	राहु 12/07/2019
केतु 15/10/2012	20:59:39	वृश्चि	गुरु व	मक	18:44:35	गुरु 05/12/2021
शुक्र 16/08/2015	17:57:36	मक	शुक्र	तुला	16:43:31	शनि 10/10/2024
सूर्य 22/06/2016	22:03:22	कुंभ	शनि व	मीन	24:32:01	बुध 30/04/2027
चन्द्र 21/11/2017	12:48:09	तुला व	राहु व	सिंह	25:52:46	केतु 17/05/2028
मंगल 18/11/2018	12:48:09	मेष व	केतु व	कुंभ	25:52:46	शुक्र 18/05/2031
राहु 07/06/2021	05:31:37	मक	हर्ष व	मक	11:07:59	सूर्य 11/04/2032
गुरु 12/09/2023	01:11:08	मक	नेप व	मक	03:26:36	चन्द्र 11/10/2033
शनि 23/05/2026	06:47:23	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:25:08	मंगल 29/10/2034

लग्न-चलित

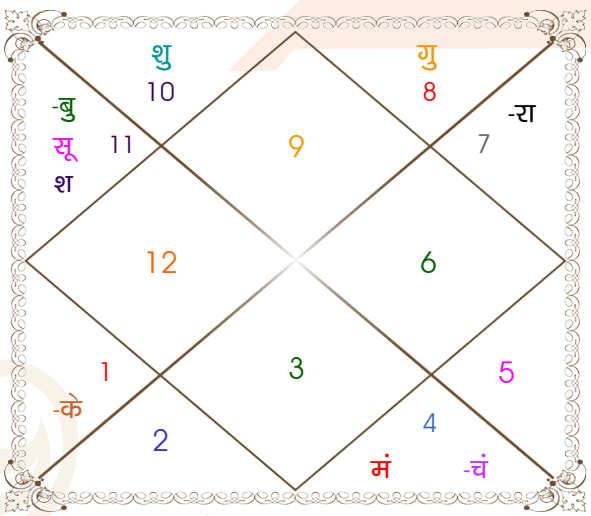

लग्न-चलित

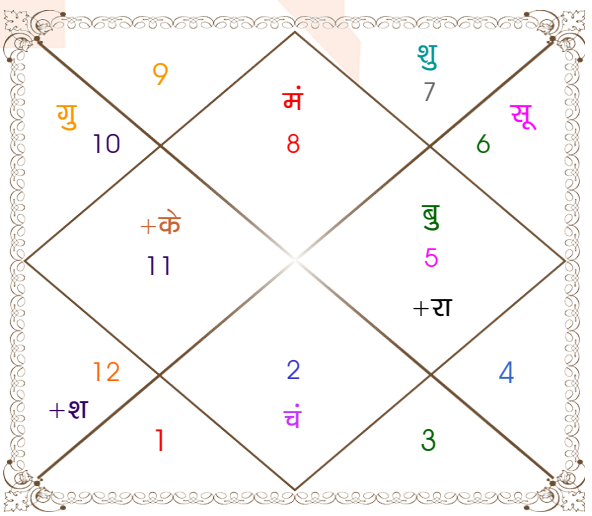

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

A का वर्ग मेष है तथा B का वर्ग गरूड़ हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र A कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।